Inc., USA as Commodity Assistance through UNFPA.

(c) and (d) All these components were received between December, 1990 and March, 1991. Except for 0.47 million pieces used for training and trial production, the rest are lying un-utilised at Hindustan Latex Ltd., Trivandrum as some of these components on testing in India were found not conforming to US-FDA approved Population Council Standards as per terms of the agreement.

(e) As the components have been received as commodity assistance through United Nations Population Fund (UNFPA), they were requested to take back the components but they regretted their inability to do so.

(f) and (g) No, Sir. A technical committee constituted under the Chairmanship of Drugs Controller (India) has, after testing the components, made recommendations that components, which conform to Bureau of India Standards Specifications (BIS) may be used in the National Family Welfare Programme.

Workers Suffering from Asbestos Related Disease

3961. SHRI MENTAY PADMANABHAM : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government have taken steps to protect the health of workers who are involved with the manufacture of asbestos;

(b) the number of people estimated to be suffering from asbestos related diseases; and

(c) which are the States where workers are worst affected by such diseases connected with the asbestos industry ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) According to Indian Council of Medical Research, studies carried out by the National Institute of Occupational Health, Ahmedabad, at asbestos cement factories in Ahmedabad, Hyderabad, Coimbatore and Bombay and among mining and milling workers at Cuddappa have shown a prevalence of asbestosis of about 3.5%—5% among asbestos cement workers, 3.3% among mine workers and 21.1% among milling workers.

आन्ध्र प्रदेश में नेत्र-बैंक

3962. **डा० एन० तुलसी रेड्डी** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आन्ध्र प्रदेश के कितने सरकारी अस्पतालों में नेत्र-बैंक हैं और उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 1993-94 में आन्ध्र प्रदेश में कुछ और नेत्र-बैंक खोले जाने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे निम्नलिखित 6 अस्पतालों में नेत्र-बैंक खोले गए हैं :—

(i) सरोजनी देवी नेत्र अस्पताल, हैदराबाद ।

(ii) उसमानिया जनरल अस्पताल, हैदराबाद ।

(iii) गवर्नमेन्ट गान्धी अस्पताल, सिकन्दराबाद ।

(iv) क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, कुर्नूल ।

(v) क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, गुन्टूर ।

(vi) क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, विशाखापतनम ।

(ख) से (घ) आन्ध्र प्रदेश सरकार से नए नेत्र-बैंक खोलने संबंधी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है । राज्य सरकार इस संबंध में वार्षिक प्राथमिकताओं का निर्धारण करती है ।

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम का कार्यान्वयन

3963. **श्री मूलचन्द मीणा** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सवाई माधोपुर जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाने की कोई योजना है;

(ख) क्या आदिवासी बहुल सवाई माधोपुर जिले में किसी स्वैच्छिक संगठन को अनुदान देने के मामले में कोई पहल की गई है; और

(ग) क्या राजस्थान में परिवार कल्याण के लिए किसी आदिवासी संगठन को अनुदान दिया गया है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) सामाजिक सुरक्षा नेट योजना के अन्तर्गत 1992-93 में सवाई माधोपुर जिले में सुदृढ़ीकरण करने हेतु 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का चयन किया गया है तथा 1993-94 के लिए 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्धारण कर लिया गया है । संस्थागत प्रसवों को बढ़ावा देने तथा मातृ मृत्यु में कमी लाने के लिए एक ऑपरेशन थियेटर, प्रसव कक्ष, एक महिला चेकित्सक आदि की व्यवस्था करने के लिए 1992-93 के दौरान 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए प्रति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं ।

(ख) स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता की योजना के अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों द्वारा वित्तीय सहायता ली जा सकती

रे जिनमें सवाई माधोपुर स्थित स्वैच्छिक संगठन भी शामिल है ।

(ग) जी, नहीं ।

Assault and Humiliation of a Lady Member by the Head of Department of Medicine, Kanpur

3964. SHRI CHATURANAN MISHRA :
SHRI GAYA SINGH :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to a report published in "Jagaran", Kanpur on 7th May, 1993 about physical assault and humiliation of a lady Dr. Gupta, Associate Professor by Dr. Tandon, Head of the Department of Medicine, Ganesh Shankar Vidyarthi Memorial Medical College, Kanpur;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any representation has been received in this matter;

(d) if so, the details thereof; and

(e) the action taken thereon, including FIR made in the police Thana ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) to (e) Yes, Sir. The Government of Uttar Pradesh have reported that police investigation is in progress; meanwhile the Commissioner of Kanpur Division has been directed to conduct an enquiry. The results of the enquiry are awaited.

Use of Old and Contaminated Medicines by Private Hospital in Cochin, Kerala

3965. SHRI S. MUTHU MANI : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that more than 6 people have lost their eyes due to use of old and contaminated medicine by a private hospital in Cochin, Kerala as has been reported in the press;

(b) if so, what directive has been passed on to the State Government and what steps have been taken by Government to prevent such things in future anywhere in India;

(c) whether the State Government or the private hospital authorities gave compensation to the victims;

(d) if so, when the compensation would be provided to the victim; and

(e) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) The Government of Kerala have reported that after lens implant was conducted in a private hospital at Cochine, 4 people lost their eye sight and about 7 more suffered loss of vision in varying degrees in the post-operative period, after about 2 weeks. The cause has been attributed to infection which could have occurred from the use of a contaminated solution.;

(b) to (e) The Central Government asked for an immediate enquiry and the State Government have sent a Preliminary Report. However, a further report on the responsibility for administration of contaminated fluid is awaited. Since the mishap has occurred in a private hospital the State Government do not propose to pay any compensation.

गर्भ परीक्षण (एमनिओसेन्टेसिस टैस्ट) के संबंध में शिकायतें

3966. **श्री दिलीप सिंह भूरिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को देश में महिलाओं द्वारा गर्भ परीक्षण कराने के बाद गर्भस्थ भ्रूण के कन्या भ्रूण होने पर गर्भपात करवाए जाने के संबंध में निरंतर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं; यदि हां, तो वर्ष 1992-93 के दौरान किन राज्य और क्षेत्रों से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) क्या भ्रूण के लिंग के आधार पर गर्भपात करवाया जाना अवैधानिक कृत्य है; यदि हां, तो वर्ष 1992-93 के दौरान राज्यवार कितने व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई; और

(ग) ऐसे अवैधानिक कृत्य को रोकने के लिए सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी ।

(ग) लिंग निर्धारण के प्रयोजन के लिए प्रसवपूर्व नैदानिक तकनीकों के दुरुपयोग को विनियमित करने के लिए लोक सभा में एक विधेयक पुरःस्थापित किया गया है ।

Compensation to Arjuna Award Winner

3967. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE :
SHRI V. NARAYANASAMY :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :